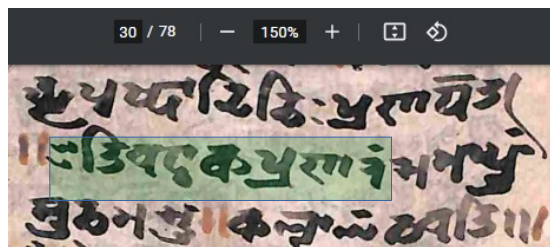
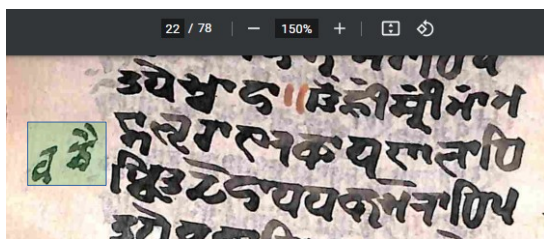
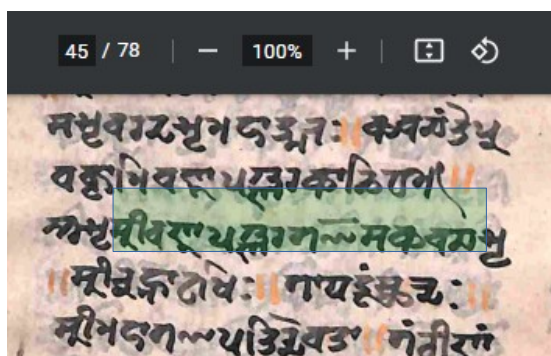


Shri Batuka Bhairava Puja - Shri Vajra Panjara Ganesha Kavacha -
 Shri Maha Ganapathi Kavacha (Rudrayamala Tantra) - Shri Maha Ganapathi Stotram -
 Shri Bhavani Stotram.

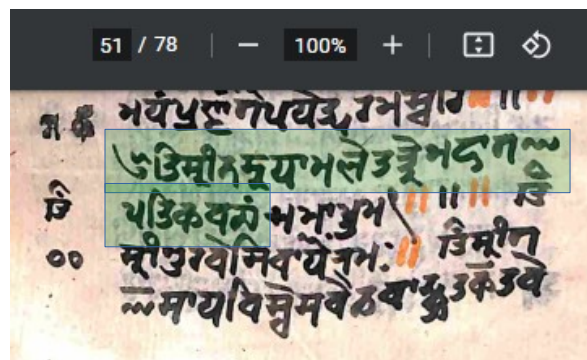
Shri Batuka Bhairava Puja Mantra



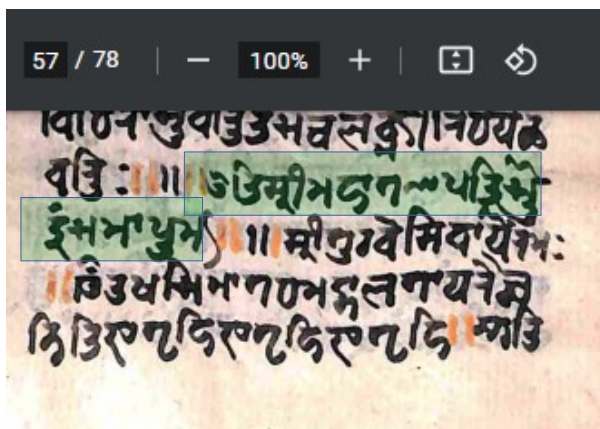
Shri Vajra Panjara Ganesha Kavacha



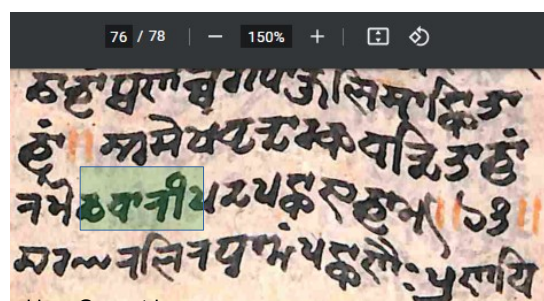
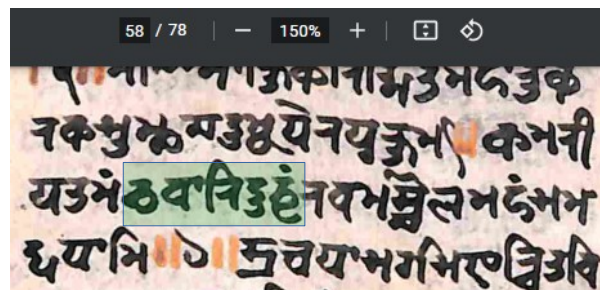
Shri Maha Ganapathi Kavacha (Rudrayamala Tantra)



Shri Maha Ganapathi Stotram



Shri Bhavani Stotram



CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

18

[illegible]

३५

श्रीहैवकेभुमकंयडागूर
 इमरुप्रलेमनेमनेभुलन
 इतिःअमथयेडा॥मिष्टेपिड
 किःउरिनगुनंदेधयेडा॥य
 व॥उरिदुःककिनीडहु
 मनेनगिडगिपः॥उमगि
 पमैकनेवयषमकि॥र
 यडा॥उमभुडवयनम॥
 उदेवकिंमभापयेडा॥उम
 कविपिअमभुन॥उमभु
 मंरुंहीरुःगरिमागुगि
 भवरावमदुगिभिभवम
 इमंदगिभिभवपपदगिभि
 भवभूगरणपुरुगिभिभम

ममदेववउलमुसिववउलवमीकुन
79

मोसुदेदि॥३॥ममटडिंद
डिंदेमि॥३॥मभीदिउंऊन॥३॥
धुद॥३॥३०॥॥॥सुंदी
लौकिलऊंठमिनेनमः॥
॥३॥उधुीधकेलुप्रसिउम
नउधुउलयेनठवडि॥॥॥
सुनमेठगवउपसुनषा
पठरलीनूपधुवडीमदि
उयसुंदीसुंदीःदलसु
पंकषय॥३॥धुद॥सुयन
कलेवार॥०॥३॥सुनमेठ
गवउदधलवादिमिभच
एपकेलिमिममिडिउ
कमकरिलिसुंदीसुंदी

सि
३०

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

श्रुदमवग ॥ १ ॥ उवा ॥ ३० ॥
 एधुडनगिभापवृत्तेरुवडि
 ॥ ॥ ॥ छेनमः ॥ मिसेममि
 प्रएलेरालकाडिककठग
 मल्लनकर ॥ ॥ मषसुह
 पलीमेकलुमेरुमीम
 यमलकीरुदरेमर
 मरदउमउडेमीमकिम
 मीरुकिदुममत्रुं सुरक
 वया ॥ वग ॥ ३० ॥ पलीम
 रुकरीयममयेरुयंनठ
 वडि ॥ ॥ ॥ छेपापुगिरिक
 केमलद ॥ ३ ॥ केममिलि
 ३ ॥ केमधुषिवीमलम

३

३१

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

[illegible]

सुवेमवनेरुउकुवेराय
 ॥ वेमवनाय ॥ भद्रगलय
 वेनभेनमः ॥ ॥ ॥ मि की धु
 देवउपभुभादेठवेवि
 मायेउ ॥ भानंभकुशिकं
 दहभुदेदगियरुभुल
 म ॥ मयीउकुममएयभ
 अयेसुयधपराभ ॥ ॥ ॥ ॥
 वदेवदेवेमकुलदेव
 वदन ॥ ॥ ॥ निभंभभय
 कभभभुभुमभुउ ॥ भने
 लयडिनेइयपिदलय
 ३७ भद्रभने ॥ ॥ ॥ विमुभुल
 भ

यश्चप्रतिपत्तयेनमः॥ सुप्र
 कस्ययमेतद्वंभक्कदममे
 धतः॥ श्रियविठिंविठभृ
 भित्तुभृमददुदसुरः॥ त
 किमत्रैश्वर्यं दानिदुंउर
 निगुलतः॥ सुप्रदृष्टिमि
 रतः सुगवेनिनिवदयेत॥
 ॥ वंहीसुप्रसुरिभुप्रंभदं
 धय॥ ३॥ सुप्रद॥ ००३॥ ॥ ॥
 वंउभुलंगविवभरेममि
 दिनेणदंकरेदुं॥ विदुं
 रुदिभमेवकेभदिकमसु
 उंमुंमंरुले॥ रणीवेकीर

मऊभमीविभमःऊभारे॥॥॥
 सं५पु०कंद्विपुल्लट्टुतिषि
 वरंमयेरणयेज॥मपुठिमु
 दरेकृणंमेपकंदलनभवटे
 ज॥मामिनामिभृदलकंक
 ल॥कीतिममनम॥मदुते
 ममनकंडुमेमविंसतिपभर
 ॥केमटउइयंऐऊचडूमपुठि
 नपुरे॥पुन०ममनकंडुमु
 रुमैके॥विंसति॥मनेसुगदु
 कमेकंपेसरुंदलतलठउ॥॥
 सं५पु०कारंयमु॥उंयभमिसे
 वमिमिउं॥मनिठिपुदरेकृणं

मेधाद्वंद्वलभादिमेउ॥मृ
 उत्रैवमिष्टिष्टमेमेमिष्टिष्ट
 लयउ॥ठेमेमभाल्लेष्टुं
 नमुद्रवःमुठ॥मनेमुद्रव
 मंउयेमगुंउलंतलठउ॥
 षंकृिकडिष्टुलेमभान
 उठिडिष्टिठिदु॥मक
 हउषाउद्रउद्रकद्रवमन॥
 ॥षंषचलिभूकिद॥मनुषा
 ॥३॥७॥००॥१॥५॥३॥मनरिष्ट
 ॥३॥७॥००॥१॥५॥३॥मेमल
 नभ॥कउष्टे॥वगवमन
 मिदयेकु॥वजम॥विषम
 मयपानवष्टमिदयेकु॥

合
30

हृष्टे ॥ प्रउपयेहे ॥ नक नृठ
 य ॥ मटपुटयेहे ठयडिपे
 हे ॥ कने ॥ पडे म न क न म
 क मे ठ ठ य ॥ ॥ ॥

१०००। क प ये ल क क म व ले ल क	१३३३। क र अ भि र न मः ल क	१३३३। स र गे ० प क न म सु भि
१०३३। प र ग क ल कः ल क	१३३०। न मः म र क न मः म र क	१३०३। र य ड क ल क र य ड ल क
१०३३। क नि मे न मे रि प के म न म सु भि	१३३०। क र य ड य ने ठ र वि क र य ड य	१३०३। न प र म व ड म प र म व न प

म पु वि म डु लि म वं न डु डि पु
 उ उ व ॥ म डु म डु डु डु डु डु
 डु डु डु डु डु डु डु डु डु डु

॥ ३३: पू० य० भ० यं० द० ॥

यष्ट ॥ ३३५ ॥ वं वै नु म व गं भ

सुगन्धदुष्प्रेतकनभाप

एतिरुष्टवभनयवनंप्रगये

३॥ उ३मुनेवसुनिगुय

ध्रुवगभृत्तुङ्गनभाकनि

श्रुिकहं वभं पटं मनि रुष्ट

हं पवनं ऊर्ध्वयेत ॥ उडधुमेव

शुद्धिं सद्गुरुभक्त्युत्तमं

उषेवनिमृष्टक...पवनंग

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

श्री.
७३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीमच्छ्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 पादुके श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 कं प्रणम्य भिनमः ॥ उतिगुरु
 वत्तपुष्पप्रपदीयनेवेहैः ॥ अ
 ह ॥ ५ ॥ ५ ॥ यथा मक्तिवरु
 भालयारण्येकदा ॥ ०-३ ॥
 रापात्रे ५ ॥ ५ ॥ मंदह ॥ ५
 हतिगुरुनेपुं ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 दूतं रापम ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 देवदूतम ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 उतिगुरुनेपुं ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 यो ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
 दयै ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

नमः॥ भट्ट॥ मङ्गलार्थक य
 नमः॥ वं वरुणाय उक्तं सुगय
 नमः॥ मङ्गलार्थक यनमः
 विदुः उमङ्गलार्थक यनमः॥ मं
 रुमार्थक यनमः॥ मङ्गलार्थक
 यनमः॥ मङ्गलार्थक यनमः
 ॥ उतिनेष्ट उरुणाय उक्तं
 लिः॥ १॥ वयष्ट॥ अंदि
 कुर्यात्मेकं वरुणाय नमः॥
 मप्रतिउम॥ कल्पितुमेय
 ममृमेप्रलुगं एनमः॥ मृदं
 ॥ मसममदि उरुणाय उक्तं
 दक्षिणतलादि उरुणाय
 लकः॥ शिनयनं सुपरेमिष

लेत्रपेठवतुप्ररुवगेभम
 भमिये॥ छेदनीम्रीप्ररुव
 केइपिरएवउरभदधुम
 धरुभगपिपउवेवेधए
 ॥ उतिकयहेप्ररुगएव
 तिः॥ ३॥ गंमने॥ छेसभव
 रुमद्रिडरंगविधुगनमं
 नमः॥ उयवीउणं वऊवि
 सुमेनंभदरसभ॥ भद
 रंमैकवदनविमुरिगि
 सुउभए॥ वतिंगदुवि
 सुमेनभवठयवाप्र
 ॥ छेकंयुं कं विमुरिग
 यनमः॥ छेमनेविमुरिग

५ के

१३

लृगलनक के इ पालन उ
 ७॥ कथित लण लण लण लण
 इने इ इ लभा प लभं वलिं
 प्र सं ल डू ७॥ के र व डू प
 ल डू ७॥ भ र ७॥ ल ७॥
 ल ७॥ द ७॥ द ७॥ छे छे
 मी भ भ द न भ ग पि थ
 उ ये भ द ॥ छे छे मी भ भ
 न लृगलनक य लण लण
 धि उ डे द य य क भ न पि थ
 उ ये व क पि थ उ भ उ ये न
 ७॥ द डू म ग ये भं वलिं प्र
 सं ल डू ७॥ भ द ॥ ॥ न व

व के
 १३

उगृगारुतिः॥ पंडवमे
 वरुंडतनिवदमिउंभुक्कवे
 कुदवरुडुंडकमदेयेनि
 पितळयदंभापवीप्रुत
 मेमुं॥ नीलेकुद्यभकडु
 मिउवमनमवेतयुवम
 रणपंडुटवुडुंभुकेमंभम
 लुउडुपंभमगारुंधु
 डु॥ मिउनयीमभयउंवी
 उभीवीदिभएगभ॥ उडीव
 रउंनिहंभमगारुंनम
 वृदम॥ पंडुमीमंभम
 गरुक्कउगृकैइपल

वडग॥३॥विष्णुत्राय॥३॥
 मलितलिथिमिउंमंयुजंर
 तिगडु॥३॥केधए॥सुनर
 रएनकवतिः॥केधल
 मलठर॥मपनरुमपुरि
 उम॥वरुंठयदुंरंकडु
 पडुदुठारि॥म॥मिंदर
 तैउगीयंमभदरवठयय
 दम॥कभउंमदरुंम
 वठर॥दुधितम॥पेहरी
 सुंमःसुनरुगएनकवड
 ग॥३॥कथितराएठगठ
 सुगदिनेइदुलभापनपुप

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

लेखसंगं वज्र॥ तं कीर्त्तयेत् लेख
 गणनकये पंगुत कइपाल
 कथितराएठगठभुगडिने
 इह लभाये भं वलि प्ररं न
 ६॥३॥ भू॥ ५॥ ५॥ लेख गण
 काय॥ ०३॥ तं ने कीर्त्तयेत्
 गणनकये॥ तेषां हं मुल
 मजीरणरुठपकाः का मु
 भूयै कवज्जु भुज्जु रिमु उ
 रिः भयिमि उ वलि उ कान
 वज्जु पवी जी॥ गैर भ की म
 प्रविः सुक गभ न गतः प्ररु
 लख वक ठे ठ भ न म न

व ले

१५

॥ भस्मिन्मणायतिराटिलेठी
 भस्मणमिनेइः॥ ठीनेमस्येव
 नेनभाठरलेठीधुळेगळः
 ॥ ठमप्रलीठभूवल्लेगळु
 भाल्लणगळः॥ भुडभाल्ले
 कवळुसुदिनेइसुमडुडुराः
 ॥ मळिमुत्तकपलपुण्ड्र
 द्रमुकवादनः॥ मतविप्र
 यमचक्रमतमिद्विप्र
 यमळठीनेसुरयमचळ
 यप्रमभनयप्रदुप्रमणि
 कगुभिडयातद्देदिठग
 वधुंदुगिउंनिवगय॥९॥ भव

मइमइय॥३॥ विष्णुत्तुदि॥३॥
 मलकुउविष्णुत्तुगदमंभु
 मिना॥ मलविष्णुत्तुयभवत्तुम
 लमिद्विष्टय हृदय यमभ
 ॥ मलकीमेश्वरयभवत्तु
 यष्टमभनयमिगभेश्वर॥
 ५५प्रमार्गिक गृष्टिउय
 पद्विद्विगवनामिपयै
 यधए॥ उंरुगिउंविगय
 ३॥ कवगयउं॥ भवमइ
 मइय॥३॥ पगदि॥३॥ नेइ
 हंवेधए॥ उंहेहीमैठठं
 ठीमगुगरोमलिगलिपि
 मिउंगइ॥३॥ भुद॥ मभु

व के

१०

यदुत्तरं ॥ त्वं वद कनका यम
 परिदत्त यम नमः यम नमः
 लठ वं न तु नमः ॥ रुक्मिणी वद
 कनका यम नमः ॥ उड मी ये मि
 नी ह नमः ॥ पश्चिम भू नमः ॥
 पाल यम नमः ॥ प्रचेष्ट उत ल
 ये नमः ॥ मष्ट रण रण सु र
 यम नमः ॥ सु प्र वे ड ल र ए
 नक यम नमः ॥ नै च उत रुपा
 उक यम नमः ॥ व य द्यु
 द र ए यम नमः ॥ रं म तु वि
 मुक्ते न यम नमः ॥ न द्यु ल र
 ए नक यम नमः ॥ म द्यु वि
 उ र द्यु र ए नक यम नमः ॥ सु

ननु एतन्नकयमम॥ ले
 मरु एतन्नकयमम॥ ठीम
 ननु एतन्नकयमम॥ मिव
 मज्झिहंमम॥ धिषुमयमे
 पादिहमिवठज्झिह॥ मम
 लवत्रंमत्रैमम॥ म्वमेव
 म्वययदिदिः प्रसायेत्
 ॥ इतिवदकप्रसायेममभुं
 मुठमभु॥ कल्लुल्लवदि॥
 म्वमेवमभुत्तपडियम्वेइम
 लोपुमेउव॥ गठेवपुप
 पुमेमउमभुत्तपडियम्वे
 ॥ म्वययदिदिः प्रसायेत्
 इतिवदकप्रसायेममभुं

॥ कृष्णदेवता ॥ सुभनसुद्विनिनिये
 नः ॥ मरुपुष्टधयेनमः ॥ मिग्भि
 भुतलंछुमेनमः ॥ भापे ॥ कृष्णदेव
 उयैनमः ॥ हृदि ॥ सुभनसुद्विनिनिये
 नः ॥ भवाम्नेष ॥ पृषिद्वयएतलेक
 देविद्विपुत्रएत ॥ सुभनसुद्विनिनिये
 पविद्विपुत्रएत ॥ सुभनसुद्विनिनिये
 नलभनयनमः ॥ विपुत्रपृषिद्वयनमः
 प्रचे ॥ विपुत्रपृषिद्वयनमः ॥ हृदि
 विपुत्रपृषिद्वयनमः ॥ पृषिद्वय ॥ वि
 पंथद्वयनमः ॥ उतुगे ॥ विपुत्रपृषिद्वयनमः

॥ सुप्रये ॥ विमंभगप्रहैनमः ॥ नैरुते ॥
 विमंभनयैनमः ॥ वयदे ॥ विमंभोइ
 पलायनमः ॥ गंसावे ॥ विमंभः ॥ भद्र
 मिबभद्रप्रउभनयनमः ॥ भदे ॥ वि
 मीउमंभ...मेउ ॥ विमंभमिभद्रुंसा
 उंरहवं, मिबद्रुधि...म ॥ मिमंभयंग
 पी० उंरहवं, कभजमिद्रुये ॥ उहदि
 ॥ विमंभनदे ॥ उहदि ॥ भमिरभि ॥
 विद्रुपारये ॥ उवः एवैः ॥ भः एहे
 ॥ भद्रः नदे ॥ एवः हदि ॥ उपः कहे
 ॥ भद्रंमिरभि ॥ विद्रुगदुयहंनमः ॥
 विद्रुवः उल्लगीहंनमः ॥ विप्रः भएभा

वि
 ३

हुं नमः ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥
 विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥
 मङ्कल उलक ग्य सु हुं नमः ॥ वि
 क्रुद्ध यय नमः ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥
 ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥
 मङ्कल ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥
 विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥
 ये ॥ मङ्कल ॥ मङ्कल ॥ मङ्कल ॥
 मङ्कल ॥ मङ्कल ॥ मङ्कल ॥ मङ्कल ॥
 कङ्कल ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥
 ये ॥ मङ्कल ॥ मङ्कल ॥ मङ्कल ॥
 ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥ विभदः नमः ॥

उत्तरीहं नमः ॥ ठजे देव भूमि एग हं
 नमः ॥ श्रीमद्विष्णु नमिक हं नमः ॥
 णिये येनः कनिष्ठिक हं नमः ॥ ५ सो
 रय उका उलक ग्य हं नमः ॥
 णिउडु विउ ह्यय यनमः ॥ वगे हं
 सिगमि भुक् ॥ ठजे देव भूमि एग
 वय ए ॥ श्रीमद्विष्णु नमः ॥ णिये
 येनः नेइ हं धोय ए ॥ ५ सो रय उका ॥
 मभूय ह्य ॥ लुप भुनये ॥ ह्ये डि
 नेइ ये ॥ गमे भवे ॥ मभू उं ल ल ए ॥
 रूद्र उं रुद्र वः भूगं भुवि ॥ णिउडु विः
 परमं पदं ह्यय यनमः ॥ मरुप

मृत्तिभूयसिभेष्टद॥ त्रिवीच
 मृत्तुगुणंमिपये॥ उद्भिष्टमेष्टि
 दृष्टेकवमा॥ एष्टवंभःमभितुते
 नेष्टहंवेष्टद॥ विष्टेष्टदंमंपरुमि
 दृष्टयष्टद॥ विष्टेष्टदंमंपरुमि
 यष्टरभः॥ येष्टयष्टयष्टयष्टयष्ट
 मिभे॥ येष्टयष्टयष्टयष्टयष्ट
 मष्टेष्टयष्टयष्टयष्टयष्ट
 नेष्टहं॥ येष्टयष्टयष्टयष्टयष्ट
 विष्टेष्टदंमंपरुमि
 कविष्टवी॥ मिष्टिमिभे॥ उष्टयष्ट
 वष्टुमिष्टिमिपये॥ एष्टयष्टमिष्टि

कवमाय ॥ सुनः सु ॥ त्रे इ हं ॥
 उडिनिः मेरुभावनः ॥ मभूयुदत्त ॥
 सिद्धं पादयेः ॥ रेखां रण्डयेः ॥
 उदगदलवेः ॥ मानेकउत्तेः ॥ मकुः
 मित्रे ॥ मिश्रभृगुदे ॥ वर ॥ भृगुदे
 मप्रिहृदये ॥ सुप्रभृदपाषिपीक
 के ॥ मत्रिगिंठदेः ॥ मुदभापे ॥
 मुदभमिकयं ॥ रणतउः नेइयेः ॥
 उभुधललटे ॥ ममिगमि ॥ विरुउ
 मिपयं ॥ वेरुभेललटे ॥ भुनव
 मकुलयेः ॥ मेमंभमिकयं ॥ मग
 उमकुपेः ॥ उउगुयेः ॥ निरुतेप ॥

पिडानववृद्धतापिनेयश्च हस्तन
सु॥ नष्टयतेयश्चिन्नंनगत्रित्तपि
दीपंमगलं॥५॥ पट्ट॥ विष्टुद्धनेमत्रुन
षायलुद्धनेनगय॥ यलुठगमूद्धे
प्रपदीपः॥ मकलः॥ मिष्टुद्धमुप्रय
नमः॥ दीपंनमः॥ मकलः॥ पट्ट॥
मकलः॥ पट्टये॥ कुमगये॥ मिष्टे॥
मगधै॥ लद्धै॥ विष्टुक॥ म॥ सुग
देवताहः॥ प्रलपउये॥ वृद्ध॥ क
लमदेवताहः॥ वृद्धविष्टुमदेसुग
देवताहः॥ मउवेदेसुगये॥ मत्रम
गय॥ पट्टयेनगय॥ य॥ नय॥

[illegible]

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

भद्रगल्लगवहै ॥ मीनगल्लगवहै ॥
 मीनल्लगवहै ॥ वौषटीगल्लगवहै ॥
 मिवल्लगवहै ॥ भुल्लगवहै ॥ भुल्ल
 गवहै ॥ गल्लग ॥ विउभुल्ल ॥ कल्लि
 कल्ल ॥ मल्लिकल्ल ॥ मल्लिकल्ल ॥
 भद्रभूतत्रैल्लगवहै ॥ उट्टरि ॥ उट्टरि
 हः ॥ मल्लिकल्ललेहः ॥ लुट्टरिहः
 हः ॥ मल्लिकल्ललेहः ॥ मल्लिकल्ललेहः
 लेहः ॥ देवकल्लिहः ॥ वट्टकल्लि
 हः ॥ लुट्टरिहः ॥ मल्लिकल्ललेहः ॥
 नवगल्ललेवउ ॥ मीनलेवीशी
 हः ॥ निहकल्ललेविभिउं ॥ प्रथमीयः
 भद्रल्ललेविभिउं ॥ प्रथमीयः ॥ मीयं

ॐ

१

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

मन्त्रे ॥ रकि ७ ये ॥ मन्त्र उभय ॥ थ
 स्र यम रे व दृ हः ॥ ७ दृ रि हः ७ म ले
 क प ले हः ॥ लु रि हः रि हः ॥ क र म
 गू दे हः ॥ ५ मु क व गे सु रे न भे नै वे मं
 ॥ नै वे न य मि न मः ॥ यः क मि ह्रे मि नी
 रे हः भे भृ प्ये र उ ग प र ॥ प्ये र गी क
 म गी र म उ ह्म र व तु म भ म ॥ लु क
 म भ दृ हः म भ ल ठ वं ग नू न मः ॥ म
 ज्ये ॥ ५ यं ॥ ३ उ चं वृ क ५ उ वे ॥
 ॥ ये मि नि व म उ के डे के डे प ल म कि
 क रः ॥ उ भै नि वे न य भृ हृ व लिं थ
 नी य मं प उ म ॥ के ह रि थ उ ये न मः ॥

॥ गङ्गापिपतये नमः ॥ उडेरुपे वध
 ०ं कुदउ ॥ ॥ श्रीगन्मय नमः ॥ ॥
 ॥ श्रीकैवत उक्त ॥ विमदरे विगन्
 मधुवगदभुन दद्भनः ॥ कवमंतेधु
 वकुनिवद पद्मगकठिणम् ॥
 मधुमीवद पद्मगन्मकवमभु
 ॥ श्रीवृद्धादिः ॥ गायहंसः ॥
 श्रीनदगन्मपडिरेवडा ॥ गंवीरगं
 ह्रीमक्तिः ॥ कुम ३ ॥ कीलकम् ॥ शु
 द्भनपद्मउक्तममेदाउ ॥ कवम
 पठे विनियोगः ॥ मधुएनम् ॥
 विविधमं विमुवदं भुविथसयम्

94

[illegible]

4



五

७५
 नान्नेयेमगलंपाउमुक्तेमिंदुभने
 वउ॥ विष्णुउकेकलेपाउदमुभुप
 कवदनः॥ उमेभभवतात्रिहंरेवधि
 पुरपाउनः॥ हउयंमजमगुहाल्ल
 यउःपमयगभकभ॥ ५५भेभव
 उउधंरकिमद्वगननः॥ कटिन
 त्रिगः॥ पाउमिमुवीरमुगेवउ॥ भ
 देभेवउभेठपेटुमिगीलीमपुह
 कभ॥ विगएकेवउमुउएउमयप
 रुउकेः॥ एउमेभभविकउेवमुल
 वउगलेवउ॥ पउमिउगः॥ पउ
 पउठेलेदिउेवउ॥ पउपुपुपु

३३
 मित्रुष्टात्रिमिपइंभरुवडु॥ क
 लमंभंनिधीषेष्टात्रिमिपुपगसुभुष
 ॥ भवइ भवठ पडुमल्लयुगंमभसु
 पः॥ छिंछिंरगकुलेददेगंठये
 ह्रीं ह्रीं कुडीवडा॥ ह्रीं मीमइगदे
 ममोंगलठयेत्तींतींवनपुवडु॥
 ह्रीं ह्रीं ह्रीं भइठीतिपमदष्टा
 त्रिपुल्लोंगनंनिटुंयडपिममकु
 उठल्लिपुल्लोंगनल्लमेवडु॥ ५३
 रंकवमंगुहं भवउत्रेपुनेपितन
 ॥ वल्लपल्लगनभपंगल्लमभुमद
 भनः॥ लल्लकुंभननयंभवस्ये

१४

कभाणन ॥ विननेन नमिहिः ॥
 दुरा नभृणपधुम ॥ उभ्रडुकव
 संपुष्टं पठेदुणयेदु ॥ उभ्र
 मिहिद ददेविकभृपागलेकि
 ॥ यंयंकभयतेकभंउंउं प्रेडिप
 ०३ः ॥ अतगदेपठेविहंभवलीष
 दलेललेड ॥ उडिपुहंभकवमंभ
 दग ॥ पडेः प्रियम ॥ भवमिहि
 भयंपुष्टं गेपयेदु रभेसुगि ॥ ॥ ॥
 उडिमीनदूयभलेउड्रेभदग ॥
 पडिकवमं भभाभुम ॥ ॥ ॥ डि
 मीपुगवेमिवयेनमः ॥ डिमीग
 लमायविमुमवेठवकु उकेउवे

म क

डि

००

॥ नमो निविष्णु गगनूक दनिच द
देउवे ॥ सिकगभं दृष्टवत्त्रिभुते
वसाम्प्रीत नभयिषा गच्छति ॥ गण
ननं देवग ॥ नत डिं नलो दमेव
तडावतं भम ॥ पद गति न नत
दृगं भं भगवत्तल न न न
॥ निगनलं निजत न न ते ये भुं ने भि
विष्णु समभुत्तल न ॥ तडा न गं
नवत्तु मे न भडलिगलं भदय
कम न ॥ निव गयतं निराक रू
तलैः के विभु गे दृष्ट न न न न ॥
मने राट्टाट्टा निव भगदृष्टा लं भ

भयकगभुरोच ॥ लीलारिग
 रमिभमन्त्रयतुंगरुननंठक्रियुता
 ठरात्रि ॥ उभारुजो पुनरुद्देतेः
 पयेणयेयवतगराप्रहः ॥ ५६
 लयतुंकमीकरे ॥ भनूननंग
 भापंठराभि ॥ दयभभसूदगर
 मुदभुंयेमीकगः प्रहगरवृभक्तः ॥
 हेभान्नेतेविमरुतितागः कलाद्रु
 नभेजिकडुल्लठामः ॥ रूफिरते
 वगिनिणेगरुमुवेलाभतिरुभ
 उवगिप्रु ॥ कल्दवभनंशुवि
 मित्रुदेवः कैलभनप्रभुतिठि

ग ३
 छि
 १३

भुवति ॥ नाननेन गदडेडुगी
 येहीरुगडेदेवकुभगभडेः ॥ इयि
 कंकलगडिंविदयडेपुपडः
 कचकडानिनेडु ॥ भदेसमइडु
 भापेरगभमपुपयडुंभकलग
 भाऊभा ॥ देवचधीळुऊरावैक
 मिडुंदेगभुभकड ॥ भमयभि ॥
 पुरुभुएहभडिवभनहुंरुडु
 यडुंदपयणिडीभा ॥ मकड ॥
 कड ॥ भपुवसंडुंनगवडुंनरा
 दडिमेडः ॥ येनधिउंभटवडीभ
 डयपग ॥ भलिपुविध ॥ केह ॥

उंमरुमेलेमुनयउयेनिरवापु
 भानरुप्यनंरुमि॥ पदरुडी
 नभपदंमुडीनंलीलवडपंयम
 मुयुतुः॥ नगरुकेवापुनपाडुके
 वेहकेहृमहंरुगविपुगलम॥
 पमदुमेनप्रगदंरुलीपुंकरेडु
 नंकरुगुनैः॥ भजठलठेपुष
 मीकरेयैः भिगुतुमंमिवयेन
 एमि॥ मनेकमेकंनरामेकरुतुं
 मेउरुपंरामरुदिरुलीराम॥ वू
 केडियावेरुविरेवरुतिउंममुप्रं
 मरुंरुमि॥ सुकभित्तयनिरा

गंमु

वि

०३

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

लेहणहकलपेनमहपञ्चनिरा
 पक्षवे॥ भुनपुनतुं प्रविमिचुभेपु
 रुद्रभुक्तमः सिवभाउनेउ विप्रज
 लनेविनिपुनतुं यत्रागिकीले
 कदलीदलपदेः॥ प्रवदयतेभद
 वा॥ भुं प्रपुत्रगेनीधुमदंठणेउ
 म॥ यल्लैगनेकेठठठिभुपेठिगगु
 भाहुंगरणरणवकुभ॥ भुटनयये
 विठिनभुवतिउभवलकुनीनिणयेठ
 वतिः॥॥॥ उडिमीभदग॥ पडिभु
 इमभापुभ॥॥ मीपुगवेसिदयेमः
 ॥ छिउधमिभगणमदलनयनेसु
 मिडिरणुदिरणुदिरणुदि॥ मति

भा १

छे

०२

दधमृकएकनिरीकलेलनगदिं
 रागदधुभापीकुं॥०॥कनकभय
 विउदिमेठभनंदिमिदिमिप्ररुभ
 वरुजभुयुजभ॥मलिभयनडप
 भएभेदिभउदयितपयसुभभु
 नंरुदीडुभ॥३॥कनककलममेठि
 भनमीधंरालणरभुभभलभ
 डकभ॥ठगवडिउवभत्रिकाभदेउ
 मलिभयभदिभउदययभि॥३॥
 उपनीयभयीभकुलिकाकभनीयभ
 मलेडरसुड॥नवरडुविद्रुपडभय
 मिविकेयंरागदधुउदिउ॥२॥कन
 कभयविउदिभुपिनकुलिकरुविवि

पञ्चमनकीलुकेरिठालकुवले॥

ठगवतिगमलीयेगुभिंदमनेभि

त्रयविमपदयुग्मं देनपीठनिठेदि

॥५॥ मलिभोक्तिनिमिउंमदउंक

नकमुळगउष्टयेनयुज्जम॥ कभनी

यउमंठवनिउहंनवमंमेलमदंमम

धयमि॥७॥ सुचयभगभिरुत्रिउवि

पुस्तुयममदिउंजुभमं॥५॥ पदु

युग्मममृमेपदयुग्मपदुमेउदुगी

जुनभउः॥१॥ गवपययवमध

पदुचमंयउंउिलजमदउमिमं॥

देमपइनिदउंमदगुंरुमेउदुगी

जुनभउः॥३॥ एलएदुनिनकरे

मन

ठे

०५

CC-0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

॥ ॐ ॥

लयभिरागनिधनं हृदयमङ्गीकुल ॥
 ०२ ॥ वलकृत्तिरुत्तिमीयजभभ
 प्रभन्निभचेतुमभउभुपरिणेदिरि
 वृषभनंठहुभयकल्दिउभ ॥ भ
 ऊहैनविउंमकसुकभिमंभीरह
 पीउप्रनंउंभुसुभभनवरुभउलं
 प्रवरभमङ्गीकुल ॥ ०५ ॥ नवरुयउ
 भयधितेकभनीयेउयनीयपाहुके
 ॥ भविलाभमिदंयरुयंरुययय
 विउयेविणीयउं ॥ ०६ ॥ वरुठिगु
 ययैःभारुंरुययिदुठगवउिउव
 केसाकिदिउंमल्लयिदु ॥ भगठिः
 ठिगठिचैसुदकेसुसयिदुजठि

विकनकप्रद्वैलुधयवेधयभि॥०१॥
 मोवीगल्लनमधुमकधमुविहभुं
 कनकमलकयभययड॥उत्रुनं
 नलिनमयिद्वदकमधुमकधमु
 किलधलीयडभयय॥०३॥मल्ली
 रोपदयेत्रिणयनमिगंविहभुं
 लुंकिह॥भजदगभगेणयेन
 पभंनकाइमलामली॥कयुग
 लिठल्लधगत्रवलयेमेलीकरोधन
 भजदद्वेउवकरुयेचिनिदपेमी
 धममुमुमलिम॥०७॥रभिल्ले
 उवदविदेमजुभभट्टणयठल
 मुले॥भजगरिणविगणिदेमडिल

सि
 ०१

५०४

कंनभापुटेभोजिकम ॥ भउंमैकि
 कएलिकंमकुमयेः भवदुलीपु
 भिक ॥ कष्टंकल्लनकि किंभीविनि
 रुठेरङ्गावउंभंसूते ॥ ७० ॥ भउठल
 उलेउवउिविलकस्मीरकभुरिका
 ॥ कष्टुगगुमठिः कगेभिडिलकंरुदे
 मगगंतउः ॥ वठेरठिधुयककम
 भैः भिकुमपुधुवैः ॥ पठेरुडु
 नलेपनठिठिरदंभंप्रणयभिरुभउ
 ॥ ७० ॥ भउकठैभुं पगिप्रणयभिरु
 वलेवममिरगठिठै ॥ गणदिठैरुवि
 यवठिठिचकस्मीग्यदुकिउठैदुले
 च ॥ ७३ ॥ एनविमदकठैलभिरुपठै

नृगभयेयमयंपदवभकः॥भृ
 णिगनुमिरेरुउपममयतिभच
 मिरेयगिष्टहउम॥३३॥भीमउ
 उठगवतिमयभरुंरुभुमउति
 रुंमेहुरुयकभलेदधवहंउनेउ
 ॥ठलकुभृष्टिगिवभरुलेदिउ
 यभृकत्रिगुचउंदरुभकलंगेउ
 भमिउयमि॥३२॥भरुभृभृक
 मीगलवभृपधैभृरेविभउतिभदं
 परिपुणयमि॥रुतीराधंठकुल
 मधककेउकरिनानविणनिऊ
 भमविमउधयमि॥३५॥भलती
 वकुलदभपधिकककल्लरभकगवी

ॐ
 ०३

गैउकैः॥ कलिकरगिरिकलिक
 लिभिः प्रणयभिरागमभुतेवपुः
 ॥ ३० ॥ धरिणउमपत्रपटलैमलि ३
 कठजलमधकलिभिः॥ मभूर
 लिउमभैमभमभं प्रणयभिराग
 मभुतेवपुः॥ ३१ ॥ लकभंभिलि
 उः भित्तमभित्तैः मीपभभंभिमित्तैः
 ॥ कप्रकलिउंभित्तमभित्तैः गेभ
 धिपलेमित्तैः॥ मीपभभंभिमित्तैः
 लभित्तैः भित्तैः विपैवभित्तैः ॥ ३२ ॥
 उयभिलिप्रणयभिरागमभुतेवपुः
 ॥ ३३ ॥ मभुतेवपुः मभुतेवपुः

उनेमधिषादीधितैः॥दीयेदीय
 उरुकागठिद्वैः॥लककेदि
 हैः॥सुडभेसलदुलललन
 वरुडद्वीपैः॥भरु॥भउभुंभद
 भारुद्वनरिनंनीगणयपुसु
 कैः॥३७॥भदडिकनकपदेभु
 पियद्विमलन॥भभभभभ
 उपद्वीपैः॥भदीपन॥३८॥

भन उभषउधुधुदीपनकलन॥

उपनराननिकुवैविहभगदिकु

ॐ ॥३॥भविनयभषद्वलनपुन
 ०७ उरुद्वंभपदिमिरमिहद्वपुभ
 मद्रिकभु॥भापकमलभनीपउभु

मं चंद्रिवरं दमयति मयि कृपा तु द
 पदः क एकः ॥ ३० ॥ म उ भुं द
 णि उ गृधाय म म द म लृ तृ म उ नि
 कः ॥ अ प प्र प मि उ य् उ उः म व द कैः
 म को दू र भुं द लैः ॥ ऐ ल ए र क दि
 दु न न गि नि म को भु भु गी मं भू उः ॥
 म कैः म क म दं म ण ठि क र मैः म उ
 ध य दृ भि क ॥ ३३ ॥ म प्र य म य द
 णि उ गृ मि उ य् उ नि भु भुं द रु उ प
 र म व य र म ग लि ॥ म कैः म म म
 रि म व लि क र नी र क लि रु क लि
 उ दू ए ग र म म म धि उ नि ॥ ३३ ॥
 का ग रं उ मि द म उ ने उ म य् उ म ए

भिरुमहल्लंभस ॥ भउउउउ नुउउ
 पभंद्वयकौउकेनपरिधीयउंभदः
 ॥३२॥ उंउउउकेपलियुनंभपिगप
 कलुभउः कलुउउपाउ ॥ कपुग
 भिमू ॥ भउउउभनदभु ॥ भमदुउ
 यमउनेन ॥३५॥ अउिमीउभम
 गवभितुंउपनीयवपनेनिवेदिउभ
 ॥ पउउउभिरं रिउउउं सुमिगप
 एलभभुधीयउभा ॥३७॥ उभुभुभ
 दलभंयउनिदुकादलदौ एभभवि
 उनि ॥ भनगिकैलनिभदुदिभनि
 दलनिउउविभमदयानि ॥३७॥
 कलिउकेमउकभंयउनिराभुीर

भर

 वि
 ३-

नगिदिभमत्रिडानि॥भगीरणपु
 रन्मिभएभुभानिदलानिउठेवि
 भमद्ययमि॥३३॥कधुगंयुतेः
 लवमभदिउःककैलमुल्लुविउः
 ॥भुभुदुभुभुःभुभुगपमिरेःभु
 भिगुएडीदलेः॥भउःकैउकिपु
 इयभुभुमिभिःभुभुलवलीदलेः
 भनउंभुभुभुभुभुभुभुभुभुभुभु
 लभमीकुन॥३७॥लेललवदुदि
 भमत्रिडानिककैलकधुगकमिभि
 डानि॥भुभुलवलीदलभंयुडानि
 पुगनिउठेविभमद्ययमि॥२॥
 भुभुलवलिललनिलिउठेभवल्

[illegible]

कल्ययमिमिगमिद्वष्टभुयंनिमि
 कुम॥२३॥मगदिचुमगीमगेगुव
 रुमलिभुक्तविलमभुवल्मुदुः
 ॥रागदभुविमिद्वष्टभुयंनिमि
 नरुदुगेलीरायमि॥२२॥भकु
 नमभुलनिठेरागदभुयंनिमि
 कुमयमलिभुयंनिमि
 ॥प्रलुचुविभुमिगंवरनभुकीय
 मभिभिलेकयवलेलभुलेयन
 कुम॥२५॥उदुदयेनउिनडेभुक्त
 टेष्टीयैःनीगरायत्रिमउतंडव
 पदपी०म॥उभुदुदवमभु
 मगीमउत्रीगरायत्रिमउतंडव

वल्लवनि ॥ २० ॥ श्रियगतिगतिकुं
 गद्वपल्लव... युक्तः ॥ कनक मयवि
 क्रमश्रिगुणभीर्येषः ॥ २१ ॥ नगव
 विकलितेयं वदनं मया उदु
 गमउममते वयवगभुरगुः ॥
 २१ ॥ मसकरवदुक्तं नृभुमिन्
 गेयः ॥ कनककलितकः ॥ कि
 क्षिप्तिमेविकः ॥ सुव... युगल
 मल्लभो मेय्यदुल्लेखनितव
 मरुभुमदुमउदुयवः ॥ २३ ॥ दू
 उरदुगमेविरणभनेमल्लभय
 मरुमउदुयनयुक्तं ॥ कनकमय
 मरुवितावदुं नगवउतेदिरवम

मात्र

 ३३
 ३३

मधयानि॥२७॥मउपश्यतेःभु
 ठवमीतेरतिभेगहतेःपुणपी
 तेः॥हमरेद्यप्यैरतेनतेचरणे
 भुंरणनभुवीरणयानि॥५॥परि
 णीरउमपुभागरंरुमंयङ्गादि
 उंभयान्भिते॥विपुलंणलीउला
 णिणंरुलंमनमिहंममधित्म॥
 ५०॥दयगणपछगतिमेठमनं
 रिमिरिमिदुचुठिमप्यनरुयुक्त
 म॥अतिरुम्युगमभैरुमेउरुग
 वतिरुकिरुउद्ययानि॥५३॥
 हभविलविउलेलकुतुललिवि
 गतिउमल्लविकरुगुरुनि॥

॥ ॐ यमतिरुमिगनुटीनटुतीउ
 वहुययेमरुभाउनेकुभाउ ॥ ५३ ॥
 ॥ भापनयनविलभलेलवली
 विलभितनिलितलेलरुदभा
 लः ॥ युवरानभापकागिराम
 लीलठगवतिउपुगउनेटुतिरु
 ल ॥ ५२ ॥ रुमिगकुसउटीनंन
 एकलेनटीनं ५६ गृदभषउउ
 ५६ दं ५६ रुगभन ॥ णिभिकिणि
 भिकिणिद्रिणिद्रिणिद्रिणीणिद्रिणी
 विभिकिविभिकिषीयषीयषी
 येउमद्रः ॥ ५५ ॥ रुमरुलिजुल
 वलीलेलरुभिलठगभिउभाप

म १
 ३
 ३३

कभलेहृदिहृलवहप्र॥ नन
 पमउमवमवगयेधनएतीपरह
 उकलकहृदविनेहउनेउ॥ ५०॥
 मुमनरुहिमरुजरुलगीभु
 गवभूपएभूपएभयः॥ रुमिउ
 रुहृष्टिल्लगरुभिकेठरुगवह
 रुयंभ्रापयतुउ॥ ५१॥ विपल्लुषुम
 पुंभ्रगवहयतुभ्रवसुगिगयति
 गवृचकटः॥ ५२॥ भावणनेमि
 डेनमउभुभकस्यहंभयपूभि
 उभि॥ ५३॥ नठिनवकमनीयेनउ
 नैउकीनेहंभधिरभयिहूमि
 मेवंहदीयं॥ भ्रयभदभधिमिडेहउ

कश्चिद्गुणीतेनैव न वतिष्ठवदीयं
 नानभंगस्तथाभि॥५७॥ उवदेवि
 पुत्रवत्तुनेमउराननेमउरानन
 रयः॥ उरिदैकभुपेपुल्लुपु
 भुवनकतुयकतुभीसुरः॥५८॥
 पदेपदेयपगिपुल्लकेहःभैव
 भणदिदलंरुति॥ उंभचपय
 कयदेउरुउंरुकिनेकेपगिउ
 पयति॥५९॥ गेदेलागुलउरु
 ठहं पुलेचुरायकुलिमादिउ
 हं॥ ममेययउरुम्वरिउहं
 नभैठवनीयययकएहम॥६०॥
 मरुनलिनपुमंयकलैःपुलयि

म
 ति
 ३५

इकनककमलमलंककूरेमे
 धयिदु॥ मिगमिविनिदिउयंगु
 पुष्यल्ललिमुदुयकमलमले
 रेविमेउंउनेउ॥ ७३॥ अषमयन
 लिमयुकनिगभट्टिभतिपुष्य
 विडावगरागने॥ ७४॥ अमरगुम
 प्रथप्रधिकेभिन्नगवडिवमन
 देभुउत्रिवमः॥ ७५॥ अउभिन्न
 लिपमिउेभुवल्पी० डैलेहल
 यवरदेनिगयपदे॥ विमुले
 भुलेउगुदेभिचदककनकम
 येनिघेरभउः॥ ७६॥ उवरदेविम
 रेरागिद्रयेपदेयेनिलिउपद

नये॥ अतिरुक्तेरुल्लङ्घनं
 कुंठयति भिरुक्ताम्॥ ७७॥ अति
 मीतममीमांसाभिर्निरुद्धं
 अनिरुद्धं॥ उपनीयमद्विष
 इकेभाषणं पूषणं निषीयतं॥
 ७८॥ अ० भषणं नृभुभुक्केभि
 नृभुभुक्तिकय विगणनं॥
 अतिरुद्धमिभुभुमिर्वनभवंभुष
 मयनं कुतमं हृदिभुभुती॥ ७९॥
 भुभुक्तैरुनेरुंभलिभयभुक्त
 एंग्रुताट्टकपुताम्॥ अरुभुक्त
 यदुभुभुभयवरकं स्रुष्टुं
 इति॥ नपलङ्घयुक्तं भुभु

भा. ३
 वि.
 ७९